विजयानंद सूरि स्वर्गारोहण शताब्दी ग्रन्थ(फोल्डर नं. ९२०२३)

संपादक – मुनिश्री नविनचंद्रविजयजी

मुख्य टाइटल

आशीर्वाद

प्रकाशकीय

संपादकों की ओर से

नवीन उपलब्धियों पर एक नजर

अर्थ सहयोग

अनुक्रमणिका

हिन्दी विभाग

खण्ड-१ – ज्ञानांजलि

जैन धर्म का स्वरूप – **आचार्य श्री विजयानंदसूरिजी**---------- १

विनय के प्रकार – **आचार्य श्री विजयवल्लभसूरिजी**---------- १५

अनित्य भावना – **आचार्य श्री विजय इन्द्रदिन्नसूरिजी**----------३१

पावागढ़ तीर्थ की ऐतिहासिकता – **आचार्य श्री जगच्चन्द्रसूरिजी**---------- ४५

माणुस्सं खु सुदुल्ल हं – **आचार्य श्री चन्दनमुनिजी**---------- ५०

ज्ञान भंडारों पर एक दृष्टिपात – **मुनिश्री पुण्यविजयजी**---------- ६०

एक लाख परमारों का उद्धार – **मुनिश्री नविनचन्द्रविजयजी**---------- ७७

जैन संमत व्याप्ति – **श्री दलसुख मालवणीया**---------- ८५

निर्युक्ति साहित्य-एक पुनर्चिन्तन – **श्री सागरमलजी जैन**---------- ८९

प्राकृत-साहित्य में उपलब्ध जैन न्याय के बीज – **डॉ. धर्मचन्द जैन**---------- १२४

भारत के सांस्कृतिक अभ्युदय में प्राकृत का योगदान – **डॉ. जयप्रकाश खण्डेलवाल**------- १३४

व्यक्तित्व के समग्र विकास की दिशा में जैन शिक्षा प्रणाली की उपयोगिता – **श्रीचन्द सुराना** ---------- १४०

हर्षपुरीयगच्छ अपरनाम मलधारी गच्छ का संक्षिप्त इतिहास – **श्री शिव प्रसाद**---------- १५९

जिनप्रतिमा और जैनाचार्य – **श्री हंसराजजी शास्त्री**---------- १८३

जैनदर्शन और केवलज्ञान – **श्री मूलचंद चन्दूलाल बेड़ावाले**---------- १९२

धर्मायतन, आवसा तथा कारोबार-एक सुख समृद्धि कारक तंत्र – **डॉ. सोहनलाल देवोत**---- २०२

खण्ड-२ – श्रद्धांजलि

श्री विजयानंद सूरीश्वर स्तुति – **मुनि श्री देवविजय**---------- २०७

श्री आत्मानंद जयंती – **आचार्य श्री विजयवल्लभसूरिजी**---------- २०८

श्री विजयानंद सूरि – **आचार्य श्री विजयसमुद्रसूरिजी**---------- २१९

श्रीमद् विजयानंद सूरि म. का जीवन संदेश – **आचार्य श्री विजय इन्द्रदिन्नसूरिजी**-------- २२२

गुरु विजयानंद-स्मृति के वातायान से – **आचार्य श्री विजय जनकचन्द्रसूरिजी**---------- २२५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

साधुता के शिखर – **आचार्य श्री रत्नाकरसूरिजी** ---------- २२९
गुरु विजयानंद-एक विराट् व्यक्तित्व – **आचार्य श्री विजय जगच्चन्द्रसूरिजी** ---------- २३३
धार्मिक चेतना के अग्रदूत – **आचार्य श्री विजय नित्यानंदसूरिजी** ---------- २३७
कर्मयोगी श्री आत्माराम जी – **उपाध्याय श्री वीरेन्द्रविजयजी** ---------- २४१
गुणों के रत्नाकर थे गुरु आतम – **पंन्यास श्री जयन्तविजयजी** ---------- २४७
सत्य पथानुगामी गुरु विजयानंद – **मुनि श्री धर्मधुरन्धरविजयजी** ---------- २४९
श्री जिनागम हम मन मान्योत.... – **मुनि श्री अरूणविजयजी** ---------- २५२
श्रीमद् विजयानंद सूरि-जीवन और कार्य – **मुनि नविनचन्द्रविजयजी** ---------- २५६
श्री विजयानंद सूरि-जीवन प्रसंग – **मुनि श्री अमरेन्द्रविजयजी** ---------- ३०७
श्रीमद् विजयानंद सूरि महाराज की जन्म कुंडली – **पंडित जानकी प्रसाद चामुंडेरी** -------- ३२४
श्री विजयानंद सूरि एवं चिकागो विश्व धर्म परिषद् – **मुनि श्री रत्नसेनविजयजी** ---------- ३३०
पूज्य श्री आत्मारामजी महाराज-लोकमंगल के लिए अर्पित जीवन – **डॉ. जवाहरचन्द्र पटनी** ---------- ३३६
श्री विजयानंद सूरि-कवि रूप में – **प्रो. रामकुमार जैन** ---------- ३४२
समर्पित शासन सेवक – **श्री आशीषकुमार जैन** ---------- ३४५
श्रीमद् विजयानंद सूरि और मूर्तिपूजा – **साध्वी श्री किरणयशाश्रीजी** ---------- ३५२
श्री विजयानंद सूरि एवं ईसाई मिशनरी – **प्रो. पृथ्वीराज जैन** ---------- ३५९
श्रम परम्परा के उज्ज्वलतम नक्षत्र थे गुरू विजयानंद – **श्री धर्मपाल जैन** ---------- ३६६
आचार्य श्री विजयानंद सूरि एवं उनका प्रमुख ग्रन्थ – **डॉ. रजनीकान्त एस. शाह** --------- ३६९
कवि चन्दूलाल कृत श्री आत्मानंद जीवन चरित्र-परिचय एवं समीक्षा – **डॉ. नरेश** -------- ३७४
श्री विजयानंद सूरिजी के साहित्य सृजन का क्रमिक इतिहास – **श्री अभय कुमार** -------- ३८१
आत्माराम – **श्री जयचंद बाफना** ---------- ३८६
पश्चिम में जैन धर्म एवं संस्कृति के सर्वप्रथम उद्घोषक – श्री वीरचंद राघवजी गांधी – **श्री मेघराज महेता** ---------- ३९०
श्री विजयानंद सूरि एवं उनकी जन्म स्थली लहरा – **श्री सत्यपाल जैन** ---------- ३९८
श्रीमद् विजयानंद सूरि के नाम से चलने वाली शिक्षण संस्थाए एवं सभाएं ---------- ४०१

खण्ड-३ – काव्यांजलि

गुरु स्तुति – **मुनि श्री मोक्षरतिविजयजी** ---------- ४२३
श्री विजयानंद प्रशस्ति – **मुनि श्री चतुरविजयजी** ---------- ४२५
चरणों में शत शत वंदन – **साध्वी श्री लक्ष्यपूर्णाश्रीजी** ---------- ४३८
हम नत मस्तक हो जाते हैं – **प्रो. श्रीपाल जैन** ---------- ४४०
श्री विजयानंद गुण गुंजन – **श्री कन्हैयालाल जैन** ---------- ४४२
पार्थ समान, महाप्रण विजयी गुरुदेव – **प्रो. राम जैन** ---------- ४४६
वि.सं. १९४० का स्वागत गीत ---------- ४४७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

ગુજરાતી વિભાગ

ખણ્ડ-૪ – સ્મરણાંજલિ

પંજાબના ચાર ક્રાંતિકારી મહાત્માઓ – **ડૉ. રમણલાલ ચી. શાહ**---------- ૧

આત્મારામજી મહારાજનું પૂજા સાહિત્ય – **ડૉ. કવિન શાહ**---------- ૬૮

સ્વરૂપ મંત્ર – **પંડિત શ્રી પનાલાલ જગજીવનદાસ ગાંધી**---------- ૭૮

અસારે ખલુ સંસારે – **ડૉ. બિપીનચંદ્ર હિરાલાલ કાપડીયા**---------- ૧૦૩

સમતા – **પ્રો. તારાબેન રમણલાલ શાહ**---------- ૧૧૨

અપ્રમાદ – **શ્રી નેમચંદ એમ. ગાલા**---------- ૧૧૮

ઉપાધ્યાય-પદની મહત્તા – **ડૉ. રમણલાલ ચી. શાહ**---------- ૧૪૧

જૈન મૂર્તિપૂજા ની પ્રાચીનતા અને જૈન મંદિરોનું સ્થાપત્ – **ડૉ. પ્રિયબાલા શાહ**---------- ૧૬૦

જૈન તીર્થ તારંગા-એક પ્રાચીન નગરી – **ડૉ. કનુભાઈ વ્ર. શેઠ, ડૉ. રમણલાલ ના. મહેતા** ---------- ૧૬૭

જયવંત સૂરિ કૃત સીમંધર સ્વામી લેખ – **શ્રી જયંત કોઠારી**---------- ૧૭૪

કવિ સહજ સુન્દર કૃત ગુણરત્નાકર છંદ – **ડૉ. કાંતીલાલ બી. શાહ**---------- ૧૮૩

સુકડિ-ઓરસીયા સંવાદ – **ડૉ. દેવબાલા સંઘવી**---------- ૧૮૯

સમાધિ શતકમાં મોક્ષમાર્ગ – **શ્રી જયેન્દ્ર એમ. શાહ**----------૧૯૫

જયશેખર સૂરિ કૃત ત્રિભુવન દીપક પ્રબંધ – **સાધ્વી શ્રી મોક્ષગુણાશ્રીજી**---------- ૨૦૧

દેવચન્દ્ર જીના આધ્યાત્મિક પત્રો – **સાધ્વી શ્રી આરતીબાઈ**---------- ૨૨૨

શ્રાવક કવિ ઋષભદાસ – **શ્રી ચીમનલાલ એમ. શાહ**---------- ૨૨૭

English Division

Part-5 – An Humble Homage

Brief life sketch of Atmaramji Maharaj – **S. P. Jain**---------- 1

Samay Sunder and his Sanskrit Works – **Dr. Satya Vrat**---------- 21

Ayag Pattas and the beginning of Jain Cult Workship – **Dr. A. L. Srivastava**---------- 36

Brief History of Tapa Gachha – **Shri Ram Vallabh Somani**---------- 46

Spiritual Discipline & Practices in Jainism – **Dr. Bhagchand Jain**---------- 60

Gommatesvara as found in Hori Vamsa Purana – **Dr. P. C. Jain**---------- 97

Jain Philosophy – **Dr. K. C. Sogani**---------- 100

Jain Attitude to animal World Impact on Social life in India – **Dr. P. K. Jain**---------- 106

Jain Concept of Peace – **Dr. Sagarmal Jain**---------- 116

Jain religious tradition – **Shri S. L. Gandhi**---------- 133

Poultry Farms or Concentration Camps – **Hitruchi Vijayji M.S.**---------- 141

Jain remains from Rajgir – **Dr. Rajiv Kumar** ---------- 146

Art of Living called Jainism – **Shri Pal Jain**---------- 152

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org